भारत सरकार
(पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम विज्ञान केंद्र
बिरसा मुंडा विमानपत्तन,
रांची ,झारखण्ड,पिन-834002

GOVERNMENT OF INDIA
(MINISTRY OF EARTH SCIENCES)
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
METEOROLOGICAL CENTRE
BIRSA MUNDA AIRPORT,
RANCHI, JHARKHAND, PIN-834002

दूरभाष/Telephone: 0651-2970311
ई-मेल (e-mail) : metranchi@gmail.com, metranchi.fs@gmail.com, mc.rnc@imd.gov.in,

---

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 13.07.2025

विशेष बुलेटिन- 04

विषय: झारखण्ड में दिनांक 13 जुलाई से 16 जुलाई के लिए कृषि पर भारी वर्षा की प्रभाव आधारित चेतावनी:-

मौसम प्रणाली (Synoptic System): (0830 IST के अनुसार)

- पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा तटों से सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। इसके प्रभाव में, अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र (Low Pressure Area) बनने की संभावना है।
- ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी मध्य प्रदेश और आसपास के मध्य भागों पर बना हुआ है और औसत समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से, अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र (Low Pressure Area) बनने की संभावना है।
- औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका (Monsoon Trough) अब बीकानेर, ग्वालियर, बांदा, सीधी, जमशेदपुर, दीघा से होकर दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व तक जाती है और औसत समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर तक फैली हुई है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकती है।

➢ प्रभाव :

इन मौसमी प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से झारखंड के कुछ जिलों में अगले 4 दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। कृषकों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। इस दौरान वज्रपात और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) की भी संभावना है।

भारी वर्षा से प्रभावित होने वाले जिले :

दिनांक	मध्य झारखण्ड (राँची, बोकारो, गुमला, हज़ारीबाग, खूंटी तथा रामगढ)	दक्षिणी झारखण्ड (पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावाँ)	उत्तर-पश्चिमी झारखण्ड (पलामू, गढ़वा,चतरा, कोडरमा, लातेहार तथा लोहरदगा)	उत्तर-पूर्वी झारखण्ड (देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामतारा, पाकुर तथा साहेबगंज)
13.07.25	राज्य के राँची, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, सरायकेला खरसावाँ, पूर्वी सिंघभूम, पश्चिमी सिंघभूम, बोकारो, धनबाद तथा जामतारा जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
14.07.25	राज्य के गुमला, सिमडेगा, खूंटी एवं पश्चिमी सिंघभूम जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के सरायकेला खरसावाँ, पूर्वी सिंघभूम, राँची, लोहरदगा , धनबाद ,जामतारा, गिरिडीह तथा देवघर जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
15.07.25	राज्य के पलामू, चतरा, लातेहार एवं हजारीबाग जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के राँची, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामतारा,दुमका, देवघर, गिरिडीह तथा कोडरमा जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			
16.07.25	राज्य के पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा एवं गिरिडीह जिलों में कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।			
	राज्य के बोकारो, धनबाद, जामतारा एवं देवघर जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है।			

भारी वर्षा वाले जिलों को नीचे मानचित्र में भी दर्शाया गया है।

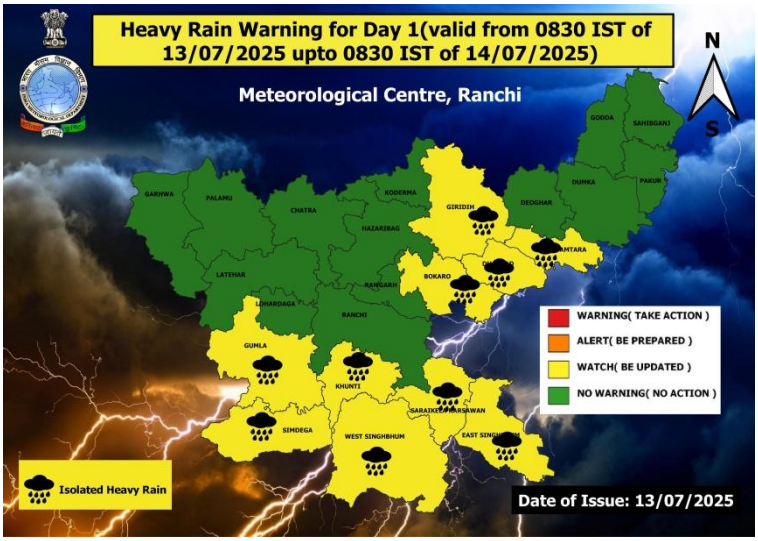

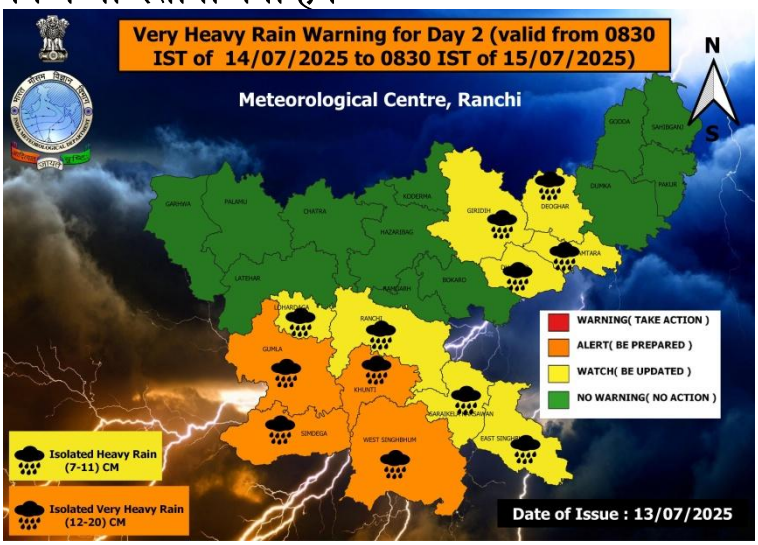

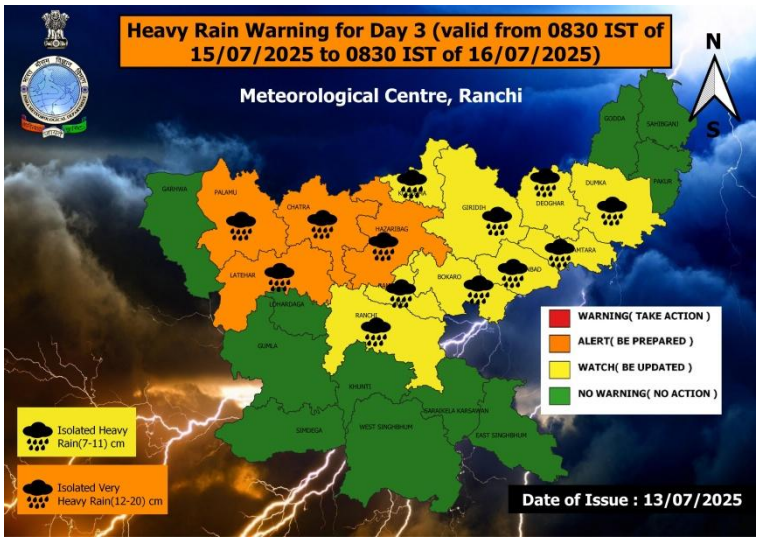

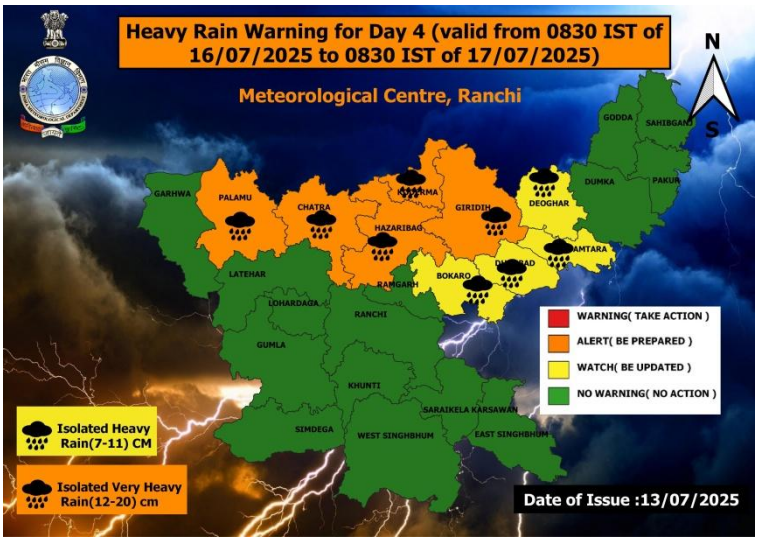

अतः मौसम केंद्र ,राँची द्वारा बताए गए निम्न बातों का ध्यान रखें :-

Crop	Impact	Mitigation
फल एवं सब्ज़ियों	अभी अभी बोई गई फसलों में जल जमाव के कारण अंकुरण ना होना लत्तर वाली सब्ज़ियों को सहारा दें। सब्ज़ियों के नर्सरी में जल जमाव के कारण सब्ज़ियों का सड़न फलों का झड़ना ,फलों पर दाग लगना	जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। परिपक्व फल एवं सब्ज़ियों कि तुड़ाई कर लें एवं उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसल में रोग के प्रसार को कम करने के लिए गिरे हुए फलों को हटा दें। किसी भी तरह के छिड़काव के लिए साफ़ मौसम के लिए रुकें।
धान, मक्का, मूंग अन्य खरीफ फसलें	अभी अभी बोई गई फसलों में जल जमाव के कारण अंकुरण ना होना	खेत में जल निकासी की उचित सुविधा बनाए रखें। किसी भी तरह के छिड़काव के लिए साफ़ मौसम के लिए रुकें।
गरमा मक्का	परिपक्व मक्का की कटाई कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें। जल निकासी की उचित सुविधा रखें।	
दलहनी एवं तिलहनी फसल	बोई गई दलहनी एवं तिलहनी फसलों में जल जमाव से बीजों का सड़ना।	खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें।
पशुपालन	मवेशियों को खुले में ना छोड़ें। मौसम की स्थिति देख कर ही उन्हें बाहर ले जाएँ। मवेशियों के घर को अच्छी तरह ढक दें।	
वर्षा जल संचयन	खेत में डोभा के निर्माण के माध्यम से यथास्थान संरक्षण और जल संचयन के माध्यम से वर्षा जल का प्रबंधन)निचले सिरे पर भूमि क्षेत्र के 1/10वें भाग पर (करें। ढलान के निचले हिस्से पर 10'X10'X10' का गड्ढा बना लें। जो सूखे दिनों मे फसलों की जल आपूर्ति को पूरा करने मे मदद कर सकते हैं ।	

पूर्वानुमान पदाधिकारी
मौसम केंद्र, रांची